

**रुचिमान** वि. रुचिर, मनोहर, सुंदर।

**रुचिर** वि. (तत्.) 1. स्वादिष्ट 2. मधुर, मीठा 3. क्षुधा, भूख बढ़ाने वाला 4. सुंदर, मनोहारी, चमकदार, प्रकाश मान 5. शक्ति, बल वर्धक 6. प्रिय लगने वाला 7. रमणीय 8. दीप्त, चमकीला, चमकदार 9. संस्कृत में केसर, लौंग और मूली को भी रुचिर या रुचिरा कहा जाता है।

**रुचिरवृत्ति** स्त्री. (तत्.) एक अस्त्र निवारण।

**रुज** पुं. (तत्.) 1. रोग, बीमारी, व्याधि 2. कष्ट, वेदना, क्षत, घाव, पीड़ा, संताप 3. भांग, भंग, स्त्री. रुजा।

**रुजाकर** वि. (तत्.) रोगजनक, रोगकर, कष्टकर, वेदनादायक।

**रुजार्त** वि. (तत्.) व्याधिग्रस्त, रोगग्रस्त, पीडित, कष्टग्रस्त, बीमार।

**रुजाली** स्त्री. (तत्.) 1. रोगों का समूह, रोग समूह 2. कष्ट समूह।

**रुणित** वि. (अनु.) रणित, झंकार करता हुआ, बजा हुआ, गुँजायमान।

**रुतबा** पुं. (अर.) 1. पद, ओहदा, दर्जा, इज्जत, कदर, पदवी 2. उपाधि, खिताब 3. पाया, सीढ़ी, जीना।

**रुदन** पुं. (तत्.) रोना, रोदन, विलाप, कुंदन।

**रुद्धकंठ** वि. (तत्.) जिसका गला रुंध गया हो, गला भर आना, प्यार, दुख, बिछोह, भावुकता आदि से गला भर जाना और बोलने में कठिनाई होना, गद्गद् कंठ वाला, भावुक हो जाना।

**रुद्धश्वास** वि. (तत्.) जिसकी सांस रुकी हुई हो, सांस लेने में कठिनाई हो रही हो।

**रुद्रक** पुं. (तत्.) 1. रुद्राक्ष, औषधोपयोगी मध्यम आकार का वृक्ष जिसमें सफेद, सुगंधित, अंडाकार फल लगते हैं और इन फलों की गुठली रुद्राक्ष के रूप में प्राप्त होती है यह पेड़ नेपाल, बिहार, बंगाल, सिक्किम, असम आदि में पाये जाते हैं 2. रुद्राक्ष की माला जाप करने और पहनने के

लिए प्रयोग की जाती है, शिव पूजा में, विशेषकर शिव भक्तों द्वारा रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है 3. लाल आँखों वाला।

**रुद्रकाली** स्त्री. (तत्.) पार्वती, दुर्गा का एक रूप, दुर्गा की एक विशेष मूर्ति।

**रुद्रगण** पुं. (तत्.) एक प्रकार के गण देवता जिनकी संख्या ग्यारह होती है, ये भगवान शिव के अपकृष्ट रूप माने जाते हैं।

**रुद्रज** वि. (तत्.) रुद्र से उत्पन्न पुं. पारद, परा।

**रुद्रजटा** स्त्री. (तत्.) भगवान शिव की जटा।

**रुद्रट** पुं. (तत्.) कश्मीर के प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान जो काव्य-शास्त्र के मर्मज्ञ थे और रस-सिद्धांत के प्रबल समर्थक रहे, काव्यालंकर ग्रंथ के रचयिता।

**रुद्रता** स्त्री (तत्.) रुद्र होने की अवस्था या भाव।

**रुद्रतेज** पुं. (तत्.) शिव-पार्वती के पुत्र, कार्तिकेय का नाम, स्कंद।

**रुद्रपति** पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

**रुद्रपत्नी** स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती, दुर्गा 2. अलसी, अतसी, तीसी।

**रुद्रबीसी** स्त्री (देश.) फलित ज्योतिष में बृहस्पति के 60 संवत्सरो के चक्र में अंतिम 20 संवत्सरो का समूह।

**रुद्रभू** स्त्री. (तत्.) रुद्रभूमि, श्मशान, मरघट।

**रुद्रयज्ञ** पुं. (तत्.) रुद्र के उद्देश्य से किया जाने वाला यज्ञ।

**रुद्रयामल** पुं. (तत्.) एक तंत्र, भैरव और भैरवी के बीच वार्तालाप।

**रुद्रलोक** पुं. (तत्.) रुद्र अर्थात् शिव का लोक, शिवलोक।

**रुद्रवंती** स्त्री. (तत्.) रुद्रवती, औषधोपयोगी एक प्रकार की बूटी जो पृथ्वी पर बेल की तरह लंबी फैलती है, इसके पत्ते पास-पास होते हैं, डंठल लाल होती है पर फूल नहीं होते।